ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

अपनी अयोध्या, अपनी जन्मभूमि की ओर लौटें- शीतला प्रसाद दुबे
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में रामायण उत्सव : अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी

वर्धा, 28 नवंबर 2023: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय एवं अयोध्या शोध संस्थान ने दिनांक 28 एवं 29 नवंबर 2023 को रामायण उत्सव का आयोजन किया। इस उत्सव का उद्घाटन 28 नवंबर को 11:30 बजे गालिब सभागार में हुआ। इस संगोष्ठी का विषय था 'राम काव्य की परंपरा एवं उसका प्रदेय'। यह संगोष्ठी महात्मा गांधी हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. भीमराय मैत्री के मार्गदर्शन में हुई। संगोष्ठी की शुरुआत दीप दीपन एवं मंगलाचरण से हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. शीतला प्रसाद दुबे, महाराष्ट्र राज्य हिंदी अकादमी, मुंबई ने की। प्रो. दुबे ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में इस बात पर बल दिया कि हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहना चाहिए। हमें अपनी अयोध्या, अपनी जन्मभूमि की ओर लौट जाना चाहिए तभी हम भगवान राम के आदर्शों को सही मायने में जी पायेंगे। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रोफेसर अभिराज राजेंद्र मिश्रा ने कहा कि राम से बड़ा कोई वैश्विक नायक नहीं हो सकता। वे मर्यादा पुरुषोत्तम थे, उनका शत्रु के साथ भी आचरण उच्च कोटि का था। "राम हमारे ही परंपरा के लिए ही नहीं, संपूर्ण जगत की परंपरा के अग्रदूत है।" उन्होंने बताया कि राम से संबंधित संस्कृत में 72 महाकाव्य, 362 खंड काव्य, 74 नाटक और लगभग 168 फुटकर ग्रंथ लिखे गए हैं। उन्होंने अपने वक्तव्य में राम के धैर्य, शील, आदर्श, पराक्रम, पराकाष्ठ का आत्मीय वर्णन किया।

कार्यक्रम में महावीर प्रसाद अग्रवाल, पूर्व कुलपति, उतराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार ने ऑनलाइन माध्यम से अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। उन्होंने राम की लोकप्रियता को बताते हुए कहा कि इंसान के जीवन की शुरुआत और अंत

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: mgahvpro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

दोनों ही राम के नाम के बिना अधूरा है। उन्होंने बताया कि 'रामायण' न केवल एक भाषा में, बल्कि अनेक भाषाओं में लिखी गई है। संगोष्ठी के दुसरे वक्ता डॉ. राम प्रसाद भट्ट, हिंदी और मॉडर्न इंडिया हुम्बर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी के विद्वान ने बताया कि 'रामायण' सिर्फ एक ग्रंथ नहीं, बल्कि संपूर्ण जगत के लिए एक लिविंग ट्रेडीशन है। डॉ.लवकुश द्विवेदी, अयोध्या शोध संस्थान संस्कृति विभाग, लखनऊ ने इस उत्सव में शामिल हुए और रामायण की भव्यता का वर्णन किया।

कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय के हिंदी साहित्य विभाग के अध्यक्ष प्रो.अवधेश कुमार ने किया। कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य साहित्य विद्यापीठ के अधिष्ठाता अखिलेश कुमार दुबे तथा धन्यवाद ज्ञापन तुलनात्मक साहित्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. रामानुज अस्थाना द्वारा दिया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी शामिल हुए।